कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (73) खण्ड - {145}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कैसे सर्विस करो तो सफलता मिल सकती है ?

A- कम्बाइण्ड रूप में

B- निमित्त भाव से

C- सन्तुष्ट होकर

D- योग में रहकर

प्रश्न 2- बाप के पास मुख्य अर्थॉरिटी कौन सी है ?

A- ज्ञान की

B- रचना की

C- वर्ल्ड की

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर हैं ?

A- सूक्ष्मवतनवासी।

B- शिवबाबा के बच्चे हैं।

C- एडाप्ट किया है।

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 4- यह जन्म है -

A- मरजीवा

B- दिव्य जन्म

C- कर्मयोगी

D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 5- एडम हैं -

A- कलियुग में

B- सतयुग में

C- संगमयुग में

D- द्वापर युग में

प्रश्न 6- दीवा क्या है, तूफान क्या है! बच्चे जानते हैं दीवा अर्थात् -

A- आत्मा

B- ज्ञान

C- शिवबाबा

D- शरीर

प्रश्न 7- जैसी अवस्था वैसा....।

A- प्यार

B- पद

C- व्यवस्था

D- योग

प्रश्न 8- कोई मरते हैं तो भी दीवा क्यों जलाते हैं ?

A- परम्परा है।

B- ज्योती मिसल है।

C- समझते हैं दीवा अगर बुझ गया तो आत्मा को अन्धियारे से जाना पड़ेगा

D- A और C

प्रश्न 9- सबसे बड़ा आसुरी स्वभाव कौन सा है ?

A- अशान्ति फैलाना

B- तंग करना

C- क्रोध करना

D- दुःख देना

प्रश्न 10- स्टूडेन्ट की बुद्धि में क्या याद नही रहता है -

A- स्टडी

B- बाप

C- वर्सा

D- घर बार

प्रश्न 11- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- वफादार

B- शक्ति सेना

C- ऑलमाइटी

D- सफलता

प्रश्न 12- नायब टीचर्स कौन है -

A- शिवबाबा

B- ब्रह्माबाबा

C- बहने

D- B C

E- A B

प्रश्न 13- क्या-क्या खत्म होना है ?

A- पुरानी दुनिया

B- भक्ति

C- सृष्टि

D- A और B

प्रश्न 14- बाप मैं ताकत है, बच्चों को रावण पर जीत पाने की युक्ति बतलाते हैं, इसलिए -

A- उन्हें नालेजपफूल कहा जाता है।

B- उनको कहा भी जाता है सर्वशक्तिमान्।

C- हाइएस्ट अथॉरिटी। ऑलमाइटी

D- सर्वोच्च सत्ता

प्रश्न 15- सदा हर्षित रहने के लिए -

A- बुद्धि में पढ़ाई और पढ़ाने वाले बाप की याद रहे।

B- आप समान बनाने की सर्विस करनी है।

C- किसी को भी तंग नहीं करना है।

D- मनन चिन्तन अवश्य करना है।

प्रश्न 16- अविनाशी ज्ञान रत्नों से अपनी ..... भरनी है ?

A- मुट्ठी

B- झोली

C- बुद्धि

भाग (73) खण्ड {145} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.योग में रहकर*

तुम बच्चों को सर्विस की भिन्न-भिन्न युक्तियाँ निकालनी हैं। अपना अनुभव सुनाकर अनेकों का भाग्य बनाना है। तुम सर्विसएबुल बच्चों की अवस्था बड़ी निर्भय, अडोल और योगयुक्त चाहिए। *योग में रहकर सर्विस करो तो सफलता मिल सकती है।*

उत्तर 2- *A.ज्ञान की*

बाप के पास मुख्य है ज्ञान की अथॉरिटी। ज्ञान सागर है इसलिए तुम बच्चों को पढ़ाई पढ़ाते हैं। आप

समान नॉलेजफुल बनाते हैं। तुम्हारे पास पढ़ाई की एम ऑब्जेक्ट है। पढ़ाई से ही तुम ऊंच पद पाते हो।

उत्तर 3- *E. A,B और C*

सूक्ष्मवतनवासी ब्रह्मा, विष्णु, शंकर यह किसकी रचना तो होगी ना! रचयिता तो एक शिव बाबा ही है, बाप ने ही तो इनको एडाप्ट किया है यह भी शिवबाबा के बच्चे हैं ।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

यह मरजीवा दिव्य जन्म कर्मबन्धनी जन्म नहीं, यह कर्मयोगी जन्म है। इस अलौकिक दिव्य जन्म में ब्राह्मण आत्मा स्वतंत्र है न कि परतंत्र। यह देह लोन में मिली हुई है, सारे विश्व की सेवा के लिए पुराने शरीरों में बाप शक्ति भर-कर चला रहे हैं, जिम्मेवारी बाप की है, न कि आप की।

उत्तर 5- *C.संगमयुग*

बाप ही बतलाते हैं आत्मा इतनी छोटी है, मैं भी इतना हूँ। नॉलेज भी जरूर कोई शरीर में प्रवेश कर देंगे। आत्मा के बाजू में आकर बैठूँगा। मेरे में पॉवर है, आरगन्स मिल गये तो मैं धनी हो गया। इन आरगन्स द्वारा बैठ समझाता हूँ, इनको एडम भी कहा जाता है। *एडम है पहला-पहला आदमी संगमयुग पर।*

उत्तर 6- *A.आत्मा*

तुम्हारे में भी नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार जान सकते हैं, *दीवा क्या है, तूफान क्या है! बच्चे जानते हैं आत्मा की ज्योत उझाई हुई है।*

उत्तर 7- *A.प्यार*

बच्चों की जैसी अवस्था है, ऐसा प्यार बाप से मिलता है। पहले एक-एक से पूरा समाचार पूछ पोतामेल लेते हैं। जैसी अवस्था वैसा प्यार। बाहर से भल

प्यार करेंगे, अन्दर जानते हैं यह बिल्कुल ही बुद्धू है, सर्विस कर नहीं सकते। ख्याल तो रहता है ना।

उत्तर 8- *C.समझते हैं दीवा अगर बुझ गया तो आत्मा को अन्धियारे से जान पड़ेगा*

अब बाप आये हैं ज्योत जगाने लिए। कोई मरते हैं तो भी दीवा जलाते हैं। उसकी बड़ी खबरदारी रखते हैं। समझते हैं *दीवा अगर बुझ गया तो आत्मा को अन्धियारे से जाना पड़ेगा इसलिए दीवा जलाते हैं।* अब सतयुग में तो यह बातें होती नहीं।

उत्तर 9- *A.अशान्ति फैलाना*

अशान्ति फैलाना, यह है सबसे बड़ा आसुरी स्वभाव। अशान्ति फैलाने वाले से मनुष्य तंग हो जाते हैं। वह जहाँ जायेंगे वहाँ अशान्ति फैला देंगे इसलिए भगवान से सभी शान्ति का वर मांगते हैं।

उत्तर 10- *D.घर बार*

स्कूल में *स्टूडेन्ट्स की बुद्धि में नॉलेज रहती है, न कि घर बार।* स्टूडेन्ट लाइफ में धंधे-धोरी की बात रहती नहीं। स्टडी ही याद रहती है। यहाँ तो फिर कर्म करते, गृहस्थ व्यवहार में रहते, बाप कहते हैं यह स्टडी करो। ऐसे नहीं कहते कि सन्यासियों के मुआफिक घरबार छोड़ो।

उत्तर 11- *D.सफलता*

तुम तो उस भगवान के बच्चे बन गये हो। *वह भी व़फादार बच्चे चाहिए।* हर बात में व़फादार रहना है। बाप में ताकत है, बच्चों को रावण पर जीत पाने की युक्ति बतलाते हैं इसलिए उनको कहा भी जाता है सर्वशक्तिमान्। *तुम भी शक्ति सेना हो ना। तुम अपने को भी ऑलमाइटी कहेंगे।*

उत्तर 12- *D. B और C*

यहाँ तो एक ही टीचर है, एक ही स्टडी है। बाकी नायब टीचर्स तो जरूर चाहिए।यह प्रजापिता ब्रह्मा है तो ब्राह्मण भी यहाँ चाहिए। *ब्रह्मा भी शिवबाबा से पढ़ते रहते हैं। सब टीचर्स हैं। सबको टीच करना है।*

उत्तर 13- *D. A, और B*

यह ज्ञान कोई भी मनुष्य मात्र में नहीं है। अभी तुम संगम पर हो। जानते हो अभी हमको वापिस जाना है। *पुरानी दुनिया खत्म हो तो भक्ति भी खत्म हो।* पहले-पहले कौन आते हैं, कैसे यह धर्म नम्बरवार आते हैं, यह बातें कोई शास्त्रों में नहीं हैं। यह बाप नई बातें समझाते हैं। यह और कोई समझा न सके।

उत्तर 14- *B.उनको कहा भी जाता है सर्वशक्तिमान*

बाप तो है हाइएस्ट अथॉरिटी। ऑलमाइटी है ना। तो उनके बच्चे भी ऐसे होने चाहिए। *बाप में ताकत है, बच्चों को रावण पर जीत पाने की युक्ति बतलाते हैं

इसलिए उनको कहा भी जाता है सर्वशक्तिमान्।* तुम भी शक्ति सेना हो ना। तुम अपने को भी ऑलमाइटी कहेंगे।

उत्तर 15- *A.बुद्धि में पढ़ाई और पढ़ाने वाले बाप की याद रहे*

सदा हर्षित रहने के लिए बुद्धि में पढ़ाई और पढ़ाने वाले बाप की याद रहे। खाते पीते सब काम करते पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना है।

उत्तर 16- *A.मुट्ठी*

तुम जानते हो जो भी मनुष्य-मात्र हैं, उनकी मुट्ठी में हैं भूगरे। उसको ही बन्दर मिसल पकड़ बैठे हैं। *अब तुम अविनाशी ज्ञान रत्नों से मुट्ठी भरते हो।* इन भूगरों (चनों) से ममत्व छोड़ो। जब अच्छी रीति समझते हैं तब भूगरों की मुट्ठी को छोड़ते हैं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (73) खण्ड - {146}

प्रश्न 1- राम का और रावण का परिवार कब है ?

A- संगमयुग पर

B- त्रेतायुग

C- कलियुग में

D- द्वापर से

प्रश्न 2- श्रेष्ठ सेवाधारी वह है जिसका-

A- मदर फादर को फालो करें।

B- हर संकल्प पावरफुल हो।

C- सदा कम्बाइन्ड रूप हो।

D- हर कर्म योग युक्त है।

प्रश्न 3- तुम्हारा यह मोस्ट वैल्युबुल समय है, इसमें -

A- तुम बाप के पूरे-पूरे मददगार बनो,

B- सफल करो

C- याद की यात्रा पर रहो

D- गफलत मत करो

प्रश्न 4- महाभारत लड़ाई के सम्बन्ध में कौन सा कथन असत्य है ?

A- स्वर्ग के गेट्स खुलते हैं।

B- अन्तिम लड़ाई है।

C- मूसलों की लड़ाई है।

D- भारत की विजय होती है।

प्रश्न 5- कौन जाकर दास-दासियाँ बनेंगे -

A- श्रीमत पर पूरा नहीं चलते तो

B- मनुष्य ग़फलत करते हैं तो

C- सजायें बहुत खानी पड़ेंगी तो

D- अन्त में कुछ भी देह-अभिमान होगा तो

प्रश्न 6- कई बच्चे ज्ञान भी सुनते रहेंगे फिर जाकर गंगा स्नान भी करेंगे, गुरूओं के पास भी जायेंगे..... बाप कहते हैं -

A- पत्थरबुद्धि हैं

B- बाप में भी पूरा निश्चय नहीं रखते हैं।

C- बाप कहेंगे - मुझ ऊंच ते ऊंच बाप की मत में भी भरोसा नहीं है।

D- A, B और C

E- B और C

प्रश्न 7- माया धक्का खिलाती रहती है। क्योंकि रावण है दुश्मन, और कौन है मित्र ?

A- आत्मा

B- श्रीमत

C- राम

D- ज्ञान

प्रश्न 8- कौन सी स्मृति से याद और सेवा स्वतः ही कम्बाइन्ड हो जाती है ?

A- सेवाधारी हूँ

B- निमित्त हूँ

C- गॉडली सर्विस पर हूँ

D- करनकरावनहार की स्मृति से

प्रश्न 9- कौन सा मंत्र बहुत अच्छा है ?

A- हम सो पूज्य, हम सो पुजारी,

B- दुआएँ दो दुआएँ लो,

C- कम बोलो मीठा बोलो,

D- मामेकम् याद करो

प्रश्न 10- यदि किसी भी संकल्प में स्वार्थ है तो..... कहेंगे ?

A- मन पसन्द

B- देह अभिमान

C- मनमत

D- मैपन

प्रश्न 11- अभी का समय है ही -

A- सब कुछ सफल करने का

B- पुरुषोत्तम दैवी राज्य का

C- अच्छे कर्म करने का

D- हिसाब-किताब चुक्तू करने लिए

प्रश्न 12- हम आत्मा हैं, यह भी याद रहे और अपना घर भी याद रहे तो -

A- बुद्धि से सारी दुनिया का संन्यास हो गया

B- योग हुआ

C- अहो सौभाग्य

D- मनमनाभव है

प्रश्न 13- तुम आसुरी मत पर चलने से दरबदर हो गये, अब ईश्वरीय मत पर चलो तो.....चले जायेंगे ?

A- सुखधाम

B- बैकुंठ

C- मुक्ति-जीवनमुक्ति

D- शान्तिधाम

प्रश्न 14- अहो सौभाग्य यदि यह भी याद रहे कि -

A- हम पुरुषोत्तम संगमयुगी ब्राह्मण हैं।

B- बाप हमको पढ़ाते हैं पुरुषोत्तम सो देवता बनाने के लिए।

C- मैं स्वदर्शन चक्र थारी हूँ।

D- मैं आत्मा हूं।

प्रश्न 15- मनुष्य से देवता कौन बनते हैं ?

A- दैवीगुण वाले

B- संगमयुगी ब्राह्मण जो अभी ईश्वर की गोद में आये हो, वही

C- श्रीमत पर चलते हैं वह

D- सम्पूर्ण पावन बनते हैं वह

प्रश्न 16- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- बाप

B- टीचर

C- गुरू

D- गाइड

भाग (73) खण्ड {146} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.संगमयुग पर*

अब 84 का चक्र पूरा होता है, वापिस जाना है। राम गयो रावण गयो..... इसका भी अर्थ कितना सहज है। *जरूर संगमयुग होगा जबकि राम का और रावण का परिवार है।* यह भी जानते हो सब विनाश हो जायेंगे, बाकी थोड़े रहेंगे। कैसे तुमको राज्य मिलता है, वह भी थोड़ा आगे चल सब मालूम पड़ जायेगा।

उत्तर 2- *B.हर संकल्प पावरफुल हो*

श्रेष्ठ सेवाधारी वह है जिसका हर संकल्प पावरफुल हो। एक भी संकल्प कहाँ भी व्यर्थ न जाए। क्योंकि सेवाधारी अर्थात् विश्व की स्टेज पर एक्ट करने वाले। सारी विश्व आपको कॉपी करती है, यदि आपने एक संकल्प व्यर्थ किया तो सिर्फ अपने प्रति नहीं किया लेकिन अनेकों के निमित्त बन गये इसलिए अब व्यर्थ के खाते को समाप्त कर श्रेष्ठ सेवाधारी बनो।

उत्तर 3- *A.तुम बाप के पूरे-पूरे मददगार बनो*

तुम्हारा यह मोस्ट वैल्युबुल समय है, इसमें तुम बाप के पूरे-पूरे मददगार बनो, मददगार बच्चे ही ऊंच पद पाते हैं"

उत्तर 4- *D. भारत की विजय होती है*

अब नाटक पूरा होता है, अपने घर जाना है, इस *महाभारत लड़ाई बाद ही स्वर्ग के गेट्स खुलते हैं इसलिए बाबा ने कहा है यह नाम बहुत अच्छा है, गेट वे टू हेविन। कोई कहते हैं लड़ाईयाँ तो चलती आई हैं। बोलो, मूसलों की लड़ाई कब लगी है, यह मूसलों की अन्तिम लड़ाई है। 5000 वर्ष पहले भी जब लड़ाई लगी थी* तो यह यज्ञ भी रचा था। इस पुरानी दुनिया का अब विनाश होना है। नई राजधानी की स्थापना हो रही है।

उत्तर 5- *D.अन्त में कुछ भी देह-अभिमान होगा तो*

तुम बच्चों की कमी है, देही-अभिमानी बनते नहीं हो। अजुन बहुत देह-अभिमान है। *अन्त में कुछ भी देह-अभिमान होगा तो पद भी कम हो जायेगा। फिर आकर दास-दासियाँ बनेंगे।* दास-दासियाँ भी नम्बरवार ढेर होती हैं।

उत्तर 6- *E. B और C*

कई बच्चे ज्ञान भी सुनते रहेंगे फिर जाकर गंगा स्नान भी करेंगे, गुरूओं के पास भी जायेंगे.....। बाप कहते हैं वह गंगा कोई पतित-पावनी तो है नहीं। फिर भी तुम मनुष्यों की मत पर जाए स्नान आदि करेंगे तो बाप कहेंगे - *मुझ ऊंच ते ऊंच बाप की मत में भी भरोसा नहीं है।* एक तरफ है ईश्वरीय मत, दूसरे तरफ है आसुरी मत। उनका हाल क्या होगा। दोनों तरफ पांव रखा तो चीर पड़ेंगे। *बाप में भी पूरा निश्चय नहीं रखते हैं।*

उत्तर 7- *C.राम*

यहाँ भी बहुत हैं, श्रीमत पर चल नहीं सकते। ताकत नहीं है। *माया धक्का खिलाती रहती है क्योंकि रावण है दुश्मन, राम है मित्र।* कोई राम कहते, कोई शिव कहते। असुल नाम है शिवबाबा। मैं पुनर्जन्म में नहीं आता हूँ। मेरा ड्रामा में नाम शिव ही रखा हुआ है।

उत्तर 8- *C.गॉडली सर्विस पर हूं*

सेवा के क्षेत्र में जो भिन्न-भिन्न प्रकार के स्व प्रति वा सेवा के प्रति विघ्न आते हैं, उसका भी कारण सिर्फ यही होता है, जो स्वयं को सिर्फ सेवाधारी समझते हो लेकिन ईश्वरीय सेवाधारी हूँ, *सिर्फ सर्विस पर नहीं लेकिन गॉडली सर्विस पर हूँ - इसी स्मृति से याद और सेवा स्वत: ही कम्बाइन्ड हो जाती है।*

उत्तर 9- *A.हम सो पूज्य, हम सो पुजारी*

हम सो पूज्य, हम सो पुजारी, यह मंत्र है बहुत अच्छा। उन्होंने फिर आत्मा सो परमात्मा कह दिया है, जो कुछ बोलते हैं बिल्कुल रांग। हम पवित्र थे, 84 जन्म चक्र लगाकर अब ऐसे बने हैं। अब हम जाते हैं वापिस। आज यहाँ, कल घर जायेंगे।

उत्तर 10- *A.मनपसंद*

जो बाप पसन्द है वह लोक पसन्द स्वत:बन जाते हैं। *यदि किसी भी संकल्प में स्वार्थ है तो मन पसन्द

कहेंगे* और विश्व कल्याणार्थ है तो लोकपसन्द व प्रभू पसन्द कहेंगे। लोक पसन्द सभा के मेम्बर बनना अर्थात् ला एण्ड आर्डर का राज्य अधिकार व राज्य सिंहासन प्राप्त कर लेना।

उत्तर 11- *D.हिसाब-किताब चुक्तू करने के लिए*

अपने ऊपर बहुत सम्भाल करनी होती है क्योंकि धर्मराज भी खड़ा है ना। *अभी का समय है ही हिसाब-किताब चुक्तू करने लिए।* सजायें भी खानी पड़े। बच्चे जानते हैं हम जन्म-जन्मान्तर के पापी हैं।

उत्तर 12- *A.बुद्धी से सारी दुनिया का सन्यास हौ गया*

अभी हम इस शरीर को छोड़ घर जाते हैं, यह पक्का याद कर लो, *हम आत्मा हैं - यह भी याद रहे और अपना घर भी याद रहे तो बुद्धि से सारी दुनिया का संन्यास हो गया।* शरीर का भी संन्यास, तो सबका संन्यास।

उत्तर 13- *A.सुखधाम*

तुम आसुरी मत पर चलने से दरबदर हो गये, अब ईश्वरीय मत पर चलो तो सुखधाम चले जायेंगे। इस समय और तो कोई ऐसा बाप नहीं जो अच्छी मत देवे इसलिए दरबदर हो पड़े हैं। श्रीमत देने वाला एक ही बाप है। उस मत पर भी कोई बच्चे नहीं चलते। वण्डर है।

उत्तर 14- *A.हम पुरुषोत्तम संगमयुगी ब्राह्मण हैं*

हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं, हम शिवबाबा द्वारा पुरूषोत्तम बन रहे हैं। यह याद भी सबको नहीं रहती। घड़ी-घड़ी यह भूल जाते हैं कि *हम पुरुषोत्तम संगमयुगी ब्राह्मण हैं। यह बुद्धि में याद रहे तो भी अहो सौभाग्य।*

उत्तर 15- *B.संगमयुगी ब्राह्मण जो अभी ईश्वर की गोद में आये हो*

मीठे बच्चे - *तुम पुरुषोत्तम संगमयुगी ब्राह्मण अभी ईश्वर की गोद में आये हो, तुम्हें मनुष्य से देवता बनना है* तो दैवीगुण भी चाहिए ।

उत्तर 16- *A.बाप*

उस एक की कितनी महिमा है, उनको ही याद करना है। कोई-कोई कहते हैं इसने तो बी.के. को जाए गुरू बनाया है। *तुम गुरू तो बनते हो ना। फिर तुमको बाप नहीं कहेंगे। टीचर गुरू कहेंगे, बाप नहीं।*